ऋग्वैदिक काल में कबीलाई प्रथा एवं सामाजिक संघर्ष

डॉ. कमलेश कुमार

सहायक प्राध्यापक (अतिथि)

प्राचीन इतिहास विभाग

SNSRKS COLLEGE SAHARSA

कबीलाई प्रथा

ऋग्वैदिक कालीन समाज में बहु विवाह का प्रचलन था. बहुपतित्व तथा बहुपत्नीत्व दोनों प्रथा प्रचलित थी. समाज में नियोग प्रथा भी विद्यमान थी.

सामाजिक संघर्ष

ऋग्वैदिक कालीन समाज में विभिन्न कबीलों (आर्य, अनार्य) में हितों को लेकर संघर्ष होता रहता था. इसमें 10 राजाओं का युद्ध काफी प्रसिद्ध है. इसकी चर्चा ऋग्वेद के सप्तम मंडल में मिलती है. इसे दसराज्ञ युद्ध युद्ध कहा जाता है.

यह युद्ध पुरुषणी तट (रावी नदी तट)पर लड़े जाने की बात मिलती है. इसमें एक ओर भरत कबीला था जिसका नेता सुदास था जबकि दूसरी ओर 10 कबीले थे जिनमें 5 आर्य कबीले (पुरु जैसा शक्तिशाली कबीला भी शामिल था) तथा 5 अनार्य कबीले (यदु, द्रूष्य, अनु, तुर्वस) थे. इस युद्ध में भरत कबीला विजयी रहा.